तुम्हारे हैं हम

धुन- बहुत प्यार करते हैं तुमसे सनम

इतना तो दो कन्हईया, हक़ कम से कम ॥
कह सके ज़माने को ॥, तुम्हारे हैं हम,,,
इतना तो दो कन्हईया, हक़ कम से कम ॥

यह माना कि मीरा सा, न प्रेम अटल है ॥
न अर्जुन विदुर सा, भरोसा प्रबल है ।
न मित्र सुदामा के ॥, जैसे हैं कर्म,,,
इतना तो दो कन्हईया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

प्रह्लाद ध्रू जैसी, न मासूम भक्ति ॥
नरसी न सूर जैसी, वो भाव में शक्ति ।
न रस ख़ान जैसा ॥, हमारा जन्म,,,
इतना तो दो कन्हईया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

पड़ा वक्त गज़ पे तो, नंगे पाँव आए ॥
पुकारा जो द्रोपदी ने, साड़ी बढ़ दिखाए ।
निर्बल हूँ मैं बाबा/श्याम ॥, तुझ से है दम,,,
इतना तो दो कन्हईया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

न पारस न सोना, न हूँ कोई हीरा ॥
मैं गोपाली पागल, न संत कबीरा ।
बने दास सोनू ॥, तेरा हर जनम,,,
इतना तो दो कन्हईया,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21492/title/tumhare-hai-hum

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |